केवल पुस्तकीय ज्ञान, जहाँ तक अनुभव में नहीं आता, अज्ञान है। साक्षात् जान लेने पर वह ज्ञान बन जाता है। जीवन से जोड़ लेने पर ज्ञान विज्ञान बन जाता है। प्रयोग में आने से ही ज्ञान विज्ञान बनता है।" - आचार्य चंदनमुनि

ज्ञान अभिमानी होता है कि उसने बहुत-कुछ सीख लिया, बुद्धि नम्र होती है कि वह अधिक कुछ नहीं जानती।" - काउपर

ज्ञान जब इतना घमंडी बन जाए कि वह रो न सके, इतना गम्भीर बन जाए कि हँस न सके और इतना आत्मकेन्द्रित बन जाए कि अपने सिवा किसी को चिन्ता न करे, तो वह ज्ञान अज्ञान से भी ज्यादा खतरनाक होता है।"
- खलील जिब्रान

ज्ञान में गम्भीरता केवल अध्ययन से नहीं, चिन्तन से आती है। चिन्तन में उत्कृष्टता केवल चिन्तन से नहीं, मनन से आती है।"

"दुनिया-भर का ज्ञान इकट्ठा कर लेने से व्यक्ति पंडित बन सकता है, ज्ञानी नहीं।"

"ठोकर लगे और दर्द हो तभी मैं सीख पाता हूँ।"
- गांधी जी

"मैं नरक में भी अच्छी पुस्तकों का स्वागत करूँगा। क्योंकि उनमें वह शक्ति है कि जहाँ वे होंगी, वहाँ स्वर्ग बन जाएगा।" - लोकमान्य तिलक

"जो पुस्तक तुम्हें सबसे अधिक सोचने को विवश करती है, वह तुम्हारी सबसे बड़ी सहायक है।"
- नेहरू जी

"बिना पुस्तक के भगवान मौन है, न्याय निद्रित है, प्राकृतिक विज्ञान स्तब्ध है, दर्शन लंगड़ा है, शब्द गूँगे हैं और सभी वस्तुएँ पूर्ण अंधकार में हैं।" - बायोलिन

"पुस्तकें - ऐसी अध्यापक हैं जो बिना बेंत मारे, बिना कड़ु शब्द एवं क्रोध के, बिना वस्त्र और धन के हमें शिक्षा प्रदान करता है।"
- रिचार्ड डी. बरी